मुंबई के लीलावती अस्पताल में पहली बार डबल वाल्व री-प्लेसमेंट सर्जरी सफलतापूर्वक की गई

मुंबई - मुंबई की पहली डबल वॉल्व री-प्लेसमेंट सर्जरी मुंबई के लीलावती अस्पताल में सफलतापूर्वक की गई है। वाल्वुलर ह्रदय रोग से पीड़ित एक बुजुर्ग व्यक्ति का ऑपरेशन एक नवीन वैस्कुलर क्लोजर डिवाइस से किया गया है। इस सर्जरी से बुजुर्ग को नई जिंदगी मिली है। लीलावती अस्पताल में इंटरवेंशनल स्ट्रक्चरल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. रविंदर सिंह राव, ह्रदय रोग विशेषज्ञ डॉ. विद्या सूरतकल, डॉ आनंद राव और एनेस्थेटिस्ट डॉ. नम्रता कोठारी ने मिलकर इस सर्जरी को सफल बनाया है। लीलावती अस्पताल में ह्रदय रोग विशेषज्ञ डॉ. विद्या सूरतकल ने मरीज की 2-डी इको की जांच की। मरीज के माइट्रल वाल्व में रिसाव और महाधमनी वाल्व में सिकुड़न थी। मेडिकल भाषा में इसे स्टेनोसिस कहा जाता है। यह स्थिति ह्रदय से शरीर तक रक्त के प्रवाह को बाधित करती है। इसलिए खून वापस फेफड़ों में जा रहा था। इससे फेफड़ों में तरल पदार्थ भर गया। इसलिए मरीज को तत्काल दोनों वाल्व बदलने की जरूरत है। वाल्व प्रतिस्थापन के लिए मरीज को टीएवीआर और टीएमवीआर प्रक्रियाओं की सिफारिश की गई थी। हालाँकि, इस प्रक्रिया से पहले मरीज का सीटी स्कैन किया गया था।